शीर्ष सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण बढ़ा

रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाजार पूंजीकरण (एमकैप) में 74,361 करोड़ रुपये वृद्धि

मुंबई, 08 फरवरी. बीएसई के सेंसेक्स में रही डेढ़ फीसदी की तेजी के बीच पिछले सप्ताह बीएसई की शीर्ष 1 में शामिल सात कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 2,62,055 करोड़ रुपये बढ़ गया जबकि अन्य तीन का 1,32,206 करोड़ रुपये घट गया. विविध क्षेत्रों में कारोबार करने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 74,361 करोड़ रुपये बढ़ा.

सार्वजनिक क्षेत्र की जीवन बीमा कंपनी एलआईसी का एमकैप 48,734 करोड़ रुपये और दूसरंचार कंपनी भारती एयरटेल का 40,057 करोड़ रुपये बढ़ा. आईसीआईसीआई बैंक के एमकैप में 37,063 करोड़ रुपये और बजाज फाइनेंस में 31,797 करोड़ रुपये की बढ़त देखी गयी. एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 18,271 करोड़ रुपये और हिंदुस्तान यूनीलिवर का 11,771 करोड़ रुपये बढ़ा. देश की सबसे बड़ी सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टीसीएस को एमकैप में 66,428 करोड़ रुपये और इंफोसिस को 55,486 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ा. भारतीय स्टेट बैंक के बाजार पूंजीकरण में 10,292 करोड़ रुपये की गिरावट रही. बाजार पूंजीकरण के मामले में 19,63,359 करोड़ रुपये के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज शीर्ष पर बनी रही. एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण 14,48,250 करोड़ रुपये रहा और यह दूसरे स्थान पर रहा. भारती एयरटेल ने टीसीएस को पछाड़कर एक बार फिर तीसरा स्थान हासिल किया. शुक्रवार को इसका बाजार पूंजीकरण 10,64,242 करोड़ रुपये रहा.

पिछले हफ्ते शेयर बाजार में आई जोरदार तेजी का सीधा फायदा देश की टॉप कंपनियों को मिला. भारत की टॉप-10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से 8 की संयुक्त मार्केट वैल्यूएशन रु.4.55 लाख करोड़ बढ़ गई. इस रैली में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे बड़ी गेनर रही, जबकि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़ी चिंताओं के चलते IT सेक्टर की दिग्गज कंपनियों को नुकसान झेलना पड़ा. शेयर बाजार में पिछले सप्ताह आई तेजी ने निवेशकों की संपत्ति में बड़ा इजाफा किया है.

ई-एयर टैक्सी कम कर सकती है आवागमन का समय- रिपोर्ट

नई दिल्ली, 08 फरवरी. दिल्ली-एनसीआर में छतों से वर्टिकल लैंडिंग और टेकऑफ करने में सक्षम ई-एयर टैक्सी आने वाले समय में आवागमन में लगने वाले घंटों को मिनटों में बदल सकते हैं और इसके लिए अपनी इमारत की छत उपलब्ध कराने वालों के लिए कमाई का जरिया बन सकते हैं. उद्योग परिसंघ सीआईआई की एडवांस्ड एयर मोबिलिटी पर जारी रिपोर्ट में एक पायलट कॉरिडोर मॉडल पर मंथन किया गया है जिसका विस्तार करने की भी संभावना है. इसमें पायलट के तौर पर गुरुग्राम, कनॉट प्लेस और जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट कॉरिडोर का सुझाव दिया गया है. सीआईआई का कहना है कि इससे देश को इंफ्रास्ट्रक्चर की रुकावटों को कम करने और परिचालन में लगने वाले समय में भारी कटौती में मदद मिल सकती है.

मोदी-ट्रंप की साझेदारी से खुले वैश्विक अवसर

अमेरिकी राजदूत बोले-नेतृत्व और विज़न से बदली आर्थिक दिशा

नई दिल्ली, 08 फरवरी. भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्तों को नई ऊंचाई देने वाला अंतरिम व्यापार समझौता अब आकार ले चुका है. इस समझौते के फ्रेमवर्क को लेकर दोनों देशों के शीर्ष नेतृत्व की सराहना हो रही है.

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मजबूत नेतृत्व और दूरदर्शी सोच का परिणाम बताया है. यह समझौता न केवल व्यापार बल्कि निवेश, तकनीक और रोजगार के नए रास्ते खोलेगा. भारत और अमेरिका के बीच हुए अंतरिम व्यापार समझौते के फ्रेमवर्क को दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में एक अहम उपलब्धि माना जा रहा है.

भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा संदेश में इस ऐतिहासिक पहल का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दिया. उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं के नेतृत्व और स्पष्ट दृष्टिकोण ने इस समझौते को संभव बनाया है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस समझौते को दोनों देशों के बीच गहराते विश्वास और साझेदारी का प्रतीक बताया.

नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह फ्रेमवर्क भारत के किसानों, एमएसएमई, स्टार्टअप्स, उद्यमियों, मछुआरों और नवोन्मेषकों के लिए नए अवसर पैदा करेगा. इसके साथ ही यह 'मेक इन इंडिया' अभियान को वैश्विक स्तर पर मजबूती देगा और बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन में सहायक होगा. केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल के अनुसार, इस समझौते के तहत अमेरिका भारतीय उत्पादों पर आपसी टैरिफ को घटाकर 18 प्रतिशत करेगा. इससे टेक्सटाइल, चमड़ा, फुटवियर, केमिकल्स, होम डेकोर और मशीनरी जैसे सेक्टरों को अमेरिकी बाजार में बड़ी राहत मिलेगी. यह समझौता मजबूत सप्लाई चेन, निवेश और तकनीकी सहयोग को भी बढ़ावा देगा.

शेयर बाजारों पर दिखेगा अमेरिका के साथ व्यापार समझौते का असर

मुंबई, 08 फरवरी. पिछले सप्ताह रही तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में अमेरिका के साथ अंतरिम व्यापार समझौते का असर घरेलू शेयर बाजारों में देखा जायेगा. अमेरिका और भारत के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर दोनों देशों ने एक साझा बयान जारी किया जिसमें बताया गया है कि किन-किन वस्तुओं पर दोनों देशों में कितना-कितना आयात शुल्क और सीमा शुल्क घटाया जायेगा.

इस समझौते से सेक्टर विशेष को लेकर निवेशकों की धारणा प्रभावित होगी. पिछले सप्ताह, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच टेलीफोन पर हुई बातचीत के बाद व्यापार समझौता होने की घोषणा की गयी थी जिससे सेंसेक्स एक दिन में दो हजार अंक (ढाई प्रतिशत) से अधिक की तेजी में बंद हुआ था. आने वाले सप्ताह में गुरुवार को आधार वर्ष 2024 की सीरीज पर पहली बार खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी होंगे. निवेशकों की नजर इस पर भी होगी. वाहनों की खुदरा बिक्री के आंकड़े भी इसी सप्ताह आने हैं. पिछले सप्ताह रविवार को आम बजट के दिन विशेष सत्र के कारण शेयर बाजारों में छह दिन कारोबार हुआ. यह पूरा सप्ताह बेहद उतार-चढ़ाव भरा रहा. इस दौरान बीएसई का सेंसेक्स 1,310.62 अंक (1.59 प्रतिशत) की साप्ताहिक बढ़त में रहा. बजट के दिन रविवार को सेंसेक्स 1,547 अंक टूट गया.

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 373.05 अंक यानी 1.47 प्रतिशत चढ़कर शुक्रवार को 25,693.70 अंक पर बंद हुआ. मझौली और छोटी कंपनियों में भी तेजी रही. निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक सप्ताह के दौरान 1.98 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.35 प्रतिशत मजबूत हुआ. सेंसेक्स की कंपनियों में पावरग्रिड के शेयर सबसे अधिक 14.26 प्रतिशत की साप्ताहिक तेजी रही. ऊर्जा क्षेत्र की ही एनटीपीसी का शेयर 2.61 फीसदी चढ़ गया. एफएमसीजी कंपनी ट्रेंट में 8.80 प्रतिशत, हिंदुस्तान यूनीलिवर में 2.11 प्रतिशत और आईटीसी में 1.19 प्रतिशत की तेजी रही. वित्तीय एवं बैंकिंग कंपनियों में बजाज फाइनेंस का शेयर 5.49 फीसदी चढ़ गया. आईसीआईसीआई बैंक में 3.81 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व में 3.6 और एचडीएफसी बैंक में 1.27 प्र. की तेजी रही.

सोना-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट

इस हफ्ते निवेशकों को लगा झटका

नई दिल्ली, 08 फरवरी. इस हफ्ते सर्राफा बाजार में सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है. रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद निवेशकों ने मुनाफावसूली की, जिसका सीधा असर दामों पर पड़ा.

सोना करीब रु.14 हजार सस्ता हुआ है, जबकि चांदी की कीमतों में रु. 94 हजार से ज्यादा की गिरावट आई है. इससे खरीदारों को कुछ राहत जरूर मिली है. सर्राफा बाजार में इस सप्ताह सोने और चांदी की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई है. सोना ?13,717 गिरकर ?1,52,078 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है. इससे पहले 30 जनवरी को सोना ?1,65,795 प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर था. वहीं चांदी की कीमत रु. 3,39,350 प्रति किलो से घटकर रु. 2,44,929 प्रति किलो रह गई है. यानी चांदी एक हफ्ते में रु. 94,421 सस्ती हो गई. बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, इस गिरावट की दो बड़ी वजहें हैं. पहली, रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद निवेशकों ने बड़े पैमाने पर प्रॉफिट बुकिंग की.

दूसरी, ऊंचे दामों के कारण फिजिकल डिमांड कमजोर पड़ गई है. साथ ही औद्योगिक उपयोग को लेकर भी कुछ चिंताएं सामने आई हैं, जिससे चांदी पर अतिरिक्त दबाव बना. हालांकि कीमतों में गिरावट से उन लोगों को राहत मिली है जो ज्वेलरी या निवेश के लिए खरीदारी की योजना बना रहे हैं.

एफपीआई निवेशकों ने किया बड़ा निवेश

मुंबई, 08 फरवरी. भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से उत्साहित विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (एफपीआई) निवेशकों ने फरवरी के पहले सप्ताह में भारतीय पूंजी बाजार में 15,492 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया.

शुद्ध निवेश एफपीआई निवेशकों द्वारा पूंजीबाजार में लगायी गयी राशि और उनके द्वारा निकाली गयी राशि का अंतर होता है. सीडीएसएल के आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई निवेशकों ने फरवरी में इक्विटी में 8,129 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया. डेट में उनका शुद्ध निवेश 7,369 करोड़ रुपये रहा. हाइब्रिड उपकरणों में भी उन्होंने 68 करोड़ रुपये लगाये. म्यूचुअल फंड में उनका शुद्ध निवेश ऋणात्मक रहा. उन्होंने इससे 74.3 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की. इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड में एफपीआई निवेशकों ने 17.95 करोड़ रुपये की शुद्ध बिकवाली की. डेट आधारित म्यूचुअल फंड से उन्होंने 53.51 करोड़ रुपये और हाइब्रिड उपकरणों पर आधारित म्यूचुअल फंड से 51.44 करोड़ रुपये निकाले.

अन्य म्यूचुअल फंड में उन्होंने 48.6 करोड़ रुपये लगाये. इससे पहले जनवरी में एफपीआई निवेशक लगातार दूसरे महीने भारतीय पूंजी बाजार में बिकवाल रहे थे. उन्होंने साल के पहले महीने में शुद्ध रूप से 29,071 करोड़ रुपये निकाले थे. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 02 फरवरी को टेलीफोन पर हुई वार्ता के बाद व्यापार समझौते पर सहमति की घोषणा की गयी थी. इससे एफपीआई निवेशकों को सकारात्मक संकेत मिला.

फरवरी के दूसरे हफ्ते में सिर्फ 2 दिन छुट्टी

नई दिल्ली,08 फरवरी. अगर आप बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम निपटाने की योजना बना रहे हैं, तो यह खबर आपके लिए अहम है. कल यानी 9 फरवरी से फरवरी महीने का दूसरा हफ्ता शुरू हो रहा है. ऐसे में यह जानना जरूरी है कि इस हफ्ते बैंक किन-किन दिनों में बंद रहेंगे. भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की ओर से जारी हॉलिडे लिस्ट के मुताबिक, अगले हफ्ते पूरे देश में बैंक सिर्फ दो दिन बंद रहेंगे. 9 फरवरी से फरवरी महीने का दूसरा हफ्ता शुरू होने जा रहा है. इस हफ्ते बैंकिंग कामकाज की योजना बना रहे ग्राहकों के लिए राहत की खबर है कि पूरे देश में बैंक सिर्फ दो दिन बंद रहेंगे. RBI के अनुसार, 14 फरवरी को महीने का दूसरा शनिवार होने के कारण और 15 फरवरी को रविवार होने के चलते सभी सरकारी और निजी बैंक बंद रहेंगे.

चावल, दाल, चीनी में साप्ताहिक तेजी

गेहूं नरम; खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा

नई दिल्ली, 08 फरवरी. घरेलू थोक जिंस बाजारों में बीते सप्ताह चावल के औसत भाव बढ़ गये. चावल के विपरीत गेहूं में नरमी रही. दालों और चीनी के दाम भी बढ़ गये जबकि खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा.

सप्ताह के दौरान चावल की औसत कीमत 11 रुपये बढ़कर सप्ताहांत पर 3,822 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी. गेहूं तीन रुपये सस्ता हुआ और सप्ताहांत पर 2,863 रुपये प्रति क्विंटल के भाव बिका. आटा नौ रुपये चढ़कर 3,337 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया. बीते सप्ताह खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव रहा. पाम ऑयल की औसत कीमत 93 रुपये और मूंगफली तेल की 72 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी. सूरजमुखी तेल 34 रुपये और सरसों तेल तीन रुपये महंगा हुआ. वनस्पति में 17 रुपये और सोया तेल में छह रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट दर्ज की गयी. सप्ताह के दौरान तुअर दाल औसतन 189 रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई. उड़द दाल की कीमत 79 रुपये और मूंग दाल की 25 रुपये बढ़ गयी. चना दाल में 22 रुपये और मसूर दाल में 15 रुपये प्रति क्विंटल की तेजी रही. मीठे के बाजार में सप्ताह के दौरान गुड़ के औसत भाव 21 रुपये प्रति क्विंटल बढ़े.

3 महीने बाद विदेशी निवेशकों की बाजार में वापसी

नई दिल्ली, 8 फरवरी. लगातार तीन महीने की बिकवाली के बाद विदेशी निवेशक एक बार फिर भारतीय शेयर बाजार की ओर लौटते नजर आ रहे हैं. फरवरी महीने की शुरुआत में ही विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 8,100 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया है. विशेषज्ञों के मुताबिक, भारत-अमेरिका के बीच व्यापार समझौते से जुड़ी सकारात्मक उम्मीदों और बेहतर बाजार माहौल ने निवेशकों की धारणा को मजबूती दी है.

नए इनकम टैक्स नियमों का ड्राफ्ट जारी

नई दिल्ली, 08 फरवरी. सरकार ने इनकम टैक्स व्यवस्था को सरल और टैक्सपेयर्स के अनुकूल बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है. इनकम टैक्स विभाग ने 'इनकम टैक्स रूल्स, 2026' का ड्राफ्ट जारी कर दिया है, जो 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा.

नए प्रस्तावित नियमों में नियमों और फॉर्म्स की संख्या में बड़ी कटौती की गई है, जिससे टैक्स फाइलिंग प्रक्रिया आसान होने की उम्मीद है. इनकम टैक्स विभाग ने शनिवार को 'इनकम टैक्स रूल्स, 2026' का ड्राफ्ट जारी कर दिया है, जिसका उद्देश्य टैक्स सिस्टम को सरल, स्पष्ट और टैक्सपेयर्स के लिए ज्यादा अनुकूल बनाना है. ये नए नियम अगले वित्त वर्ष से यानी 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगे. अभी लागू इनकम टैक्स रूल्स, 1962 में 511 नियम और 399 फॉर्म हैं, जिन्हें घटाकर नए ड्राफ्ट में 333 नियम और 190 फॉर्म कर दिया गया है. विभाग ने कई ऐसे प्रावधानों को हटा दिया है जिनकी अब जरूरत नहीं थी.

समाचार विशेष

राजनीति में फिर बीस साबित हुई भाजपा

सुनेत्रा को अपने खेमे में लाकर एक तीर से दो निशाने

मुंबई. राजनीति जज्बात से नहीं, हालात के हिसाब से चलती है. महाराष्ट्र में सुनेत्रा पवार का शपथ ग्रहण इसका उदाहरण है. सुनेत्रा के आंसू अभी सूखे भी नहीं, पति अजित पवार के निधन के शोक से उबरना तो दूर की बात है. फिर भी उन्होंने सियासी तकाजे को ही प्राथमिकता दी और महाराष्ट्र की पहली महिला उप मुख्यमंत्री बनकर इतिहास रच दिया. पर प्रश्न यह है कि सुनेत्रा की ताजपोशी से महाराष्ट्र की राजनीति पर क्या प्रभाव पड़ने जा रहा है? आखिर क्या वजह रही कि सुनेत्रा ने आनन-फानन में शपथ ले ली. महाराष्ट्र के राजभवन में जनवरी महीने के आखिरी दिन जो राजनीतिक इतिहास रचा गया, उसकी कहानी किसने लिखी थी.

महाराष्ट्र में भले ही शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को पिछले विधानसभा चुनाव में सफलता नहीं मिली हो, पर राज्य की राजनीति के सबसे मंजे हुए खिलाड़ी शरद पवार ही हैं. यह बात छुपी हुई नहीं है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों धड़ों के बीच सुलह और एकीकरण की बात चल रही थी. पर अजित के न रहने से समीकरण बदल गये. अजित के साथ गये अहम नेताओं- प्रफुल्ल पटेल, आरआर पाटिल और सुनील तटकरे जैसे नेताओं की आशंकाएं बढ़ गयीं.

तो क्या बीजेपी की सियासी सेहत गड़बड़ा सकती थी?

यदि सुनेत्रा शपथ नहीं लेतीं, तो क्या बीजेपी की सियासी सेहत गड़बड़ा सकती थी? क्योंकि राज्य में बीजेपी के 132 और एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के 57 विधायक हैं. राज्य में बहुमत के लिए महज 145 सीटें चाहिए होती हैं. इस लिहाज से देखें, तो बीजेपी की अगुवाई वाली सरकार को कोई खतरा नहीं होना जा रहा था. अजित समेत एनसीपी के 41 विधायक पिछले चुनाव में चुने गये हैं. पर बीजेपी की चिंता दूसरी है. शरद पवार की राजनीतिक स्थिति भले ही ठीक न हो, पर जैसे ही दोनों एनसीपी का विलय होता, शरद ताकतवर हो जाते और बीजेपी के लिए नयी सिरदर्दी खड़ी हो जाती. वे शिवसेना के गुटों को भी एक करने की कोशिश कर सकते थे.

कुशवाहा का पार्टी बचाने का दांव

पटना. बिहार विधानसभा चुनाव के बाद जिस तरह का घटनाक्रम हुआ उससे लग रहा था कि उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी संकट में है. उनके सिर्फ चार विधायक जीते थे, जिसमें उनकी पत्नी स्नेहलता कुशवाहा भी थीं. उनको एक मंत्री पद का कोटा मिला तो लग रहा था कि वे पत्नी को मंत्री बनाएंगे. लेकिन उन्होंने बिना विधायक हुए अपने बेटे दीपक प्रकाश को मंत्री बना दिया.

उनको एक एमएलसी का कोटा मिला है. वे अपने बेटे को एमएलसी बनाएंगे. इस घटनाक्रम के बाद पार्टी में बड़ी नाराजगी हुई. उनके तीन विधायकों ने दूरी बना ली और अलग बैठकें करने लगे. लगा कि पार्टी टूट जाएगी और उनके पास सिर्फ बेटा और पत्नी बचेंगे.

लेकिन अब लग रहा है कि भाजपा और जनता दल यू की मदद से सब कुछ ठीक हो गया है. तीन में दो विधायक उनके पास वापस लौट आए हैं. इतना ही नहीं उन्होंने पार्टी को एकजुट रखने का बड़ा दांव चला है. उपेंद्र कुशवाहा ने अपनी पार्टी के राजपूत विधायक आलोक सिंह को प्रदेश अध्यक्ष बना दिया है. इस मौके पर दूसरे नाराज विधायक माधव आनंद भी मौजूद थे.

फतह के लिए बीजेपी का प्लान 100+

कोलकाता. विधानसभा चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल की राजनीति गरमाने लगी है. चुनावी बिगुल अभी आधिकारिक रूप से नहीं बजी है लेकिन सियासी हलचल तेज हो चुकी है. बीजेपी ने प्रदेश में सत्ता हासिल करने के लिए अब एक बड़ा और रणनीतिक प्लान तैयार किया है. पार्टी अध्यक्ष नितिन नवीन ने सांसदों के साथ बेहद अहम और गोपनीय बैठक कर चुनावी रणनीति की बारीकियों पर चर्चा की.

यह बैठक सिर्फ औपचारिक नहीं थी बल्कि इसमें जमीनी हालात, वोट बैंक और संगठन की ताकत को लेकर विस्तार से समीक्षा की गई. माना जा रहा है कि बीजेपी अब बंगाल में सत्ता परिवर्तन की मजबूत जमीन तैयार करने में जुट गई है.

सूत्रों के अनुसार बैठक में माहौल गंभीर और रणनीतिक था. हर सांसद से अलग-अलग वन टू वन बातचीत की गई. प्रदेश के अलग-अलग इलाकों की रिपोर्ट ली गई. पार्टी के रणनीतिकारों ने बताया कि पश्चिम बंगाल में 100 से ज्यादा ऐसी विधानसभा सीटें चिन्हित की गई हैं, जहां बीजेपी जीत की मजबूत स्थिति बना सकती है. यह प्लान सिर्फ चुनावी घोषणा तक सीमित नहीं है, बल्कि संगठन को मजबूत करने और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर भी खास फोकस किया जा रहा है. पार्टी नेतृत्व मानता है कि अगर जमीनी स्तर पर सही रणनीति अपनाई गई तो बंगाल में सियासत में बड़ा बदलाव संभव है.

सांसदों को जमीनी आंदोलन खड़ा करने का निर्देश- बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन ने सांसदों को साफ निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने लोकसभा क्षेत्रों के हर जोन में कार्यकर्ताओं को संगठित करें. स्थानीय समस्याओं को मुद्दा बनाकर राज्य सरकार के खिलाफ आंदोलन खड़ा करने की रणनीति तैयार की जाए. पार्टी का मानना है कि जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर आक्रामक और तथ्य आधारित राजनीति ही बीजेपी को मजबूत स्थिति में ला सकती है.

बीजेपी का 'प्लान 100+' क्या है?

'प्लान 100+' बीजेपी की वह चुनावी रणनीति है. इसके तहत पार्टी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में 100 से अधिक सीटों पर जीत का लक्ष्य बना रही है. प्रदेश संगठन ने ऐसी सीटों की पहचान की है, जहां पार्टी का वोट बैंक मजबूत माना जा रहा है. इन सीटों पर संगठन विस्तार, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं की सक्रियता और स्थानीय मुद्दों पर फोकस करने की रणनीति तैयार की जा रही है.

विशेष | राजनीति में युवाओं के लिए नए अवसर

कांग्रेस का 'नेशनल टैलेंट हंट-मुखर आवाज' अभियान

गयाजी/पटना. कांग्रेस पार्टी ने मीडिया के माध्यम से संगठन की देशव्यापी आवाज को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक नई पहल की है. इस पहल के तहत पार्टी ने राजनीति में प्रवक्ता, रिसर्चर और मीडिया पैनलिस्ट के रूप में सक्रिय भूमिका निभाने के इच्छुक युवाओं के लिए 'नेशनल टैलेंट हंट-मुखर आवाज' अभियान शुरू किया है. इसके अंतर्गत सभी राज्यों में टैलेंट हंट अभियान की लॉन्चिंग की गई है.

इसी कड़ी में बिहार की राजधानी पटना स्थित सदाकत आश्रम में कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय में 'नेशनल टैलेंट हंट-मुखर आवाज' अभियान का शुभारंभ किया गया. अभियान की लॉन्चिंग कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार और पार्टी के अन्य प्रदेश स्तरीय नेताओं द्वारा की गई.

प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि पार्टी के इस देशव्यापी अभियान के तहत बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी ने पूरे राज्य में नेशनल टैलेंट हंट शुरू किया है. इसका उद्देश्य ऐसे युवाओं की पहचान करना है, जो राजनीति में प्रवक्ता, रिसर्चर और मीडिया पैनलिस्ट के रूप में पार्टी को अपनी सेवाएं देना चाहते हैं. इस कार्यक्रम के माध्यम से इच्छुक युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा.

राज्य से राष्ट्रीय स्तर तक चयन की प्रक्रिया- उन्होंने जानकारी दी कि चयन की प्रक्रिया पहले राज्य स्तर पर होगी. इसके बाद राज्य स्तर पर चयनित युवा अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित नेशनल टैलेंट हंट में भाग लेंगे.

अखिल भारतीय स्तर पर चयनित युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर और राज्य स्तर पर चयनित युवाओं को राज्य स्तर पर पार्टी की ओर से प्रवक्ता, रिसर्चर और मीडिया पैनलिस्ट की जिम्मेदारी दी जाएगी.

चयनित युवा पे-रोल पर नहीं होंगे, बल्कि यह कार्य स्वैच्छिक रूप से करेंगे. इसके लिए, राज्य और प्रमंडल स्तर पर कमिटियां गठित की गई हैं.

आवेदन प्रक्रिया शुरू, एक माह में चयन का लक्ष्य

प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि टैलेंट हंट में शामिल होने के लिए राज्यभर के युवाओं से आवेदन लेना शुरू कर दिया गया है. आवेदन प्राप्त होने के बाद विशेषज्ञों की कमिटी द्वारा साक्षात्कार और ग्रुप डिस्कशन के माध्यम से चयन किया जाएगा. इस पूरी प्रक्रिया को एक माह में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है. इस दौरान औरंगाबाद के जिला पार्षद सुरेंद्र यादव और पार्टी के युवा नेता सूरज कुमार राय ने मगध प्रमंडल का क्षेत्रीय समन्वयक बनाए जाने पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार के प्रति आभार व्यक्त किया. उन्होंने कहा कि इस अभियान से औरंगाबाद के कांग्रेसजनों में उत्साह का संचार हुआ है और वे दी गई जिम्मेदारी पर पूरी तरह खरे उतरने का प्रयास करेंगे.